

आज का मुद्दा



नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 14 अंक 346 नोएडा गौतमबुद्धनगर, सोमवार 30 दिसंबर 2024

RNI-No. UPHIN/2011/37197

पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया



स्व. सत्या देवी जी



स्व. रघुनाथ राणा जी

माँ स्व. सत्या देवी जी तथा पिता स्व. रघुनाथ राणा जी की
असीम कृपा तथा आशीर्वाद से

भव्य जागरण

एवं विशाल भण्डारा

मंगलवार, 31 दिसम्बर, 2024

कलश यात्रा : प्रातः 11:00 बजे
भोग एवं आरती : सायं 6:30 बजे से 7:15 बजे
धूणा पूजन : सायं 7:15 बजे
ज्योति पूजन-प्रज्वलित : सायं 7:30 बजे
द्वारा श्री ज्योति कुमार आर्य

भण्डारा :- रात्रि 8:30 बजे से 10:30 बजे तक

श्रद्धेय स्वामी धीरज महाराज जी
पीठाधीश्वर

Beneficiary Name : Baba Balak Nath Sidh Peeth Foundation
Name of Bank : Union Bank of India
IFSC Code : UBIN0917966
Account No. : 110610011002457



Donation Link

ट्रस्ट के पास 80G है जिसका लाभ लेने के लिए आप कृपया अपना
PAN No. और आधार कार्ड की कॉपी जरूर दें, ताकि आपको
आयकर की धारा 80G के तहत आयकर में छूट मिल सके।

भव्य जागरण

जिसका सीधा प्रसारण



तथा यूट्यूब व फेसबुक लाइव

YouTube Link

द्वारा देश व विदेशों में रात्रि 8 बजे से 1 बजे तक किया जायेगा.

बाबा जी के दरबार में प्रत्येक रविवार को कीर्तन और सत्संग में श्रद्धा भाव से हाजरी लगाने व
गुरु जी के आशीर्वाद से असाध्य रोग व जीवन के कष्ट दूर हो जाते हैं.



सोमवती अमावस्या कब है, जानें पूजा का मुहूर्त और दान-पुण्य का महत्व

हिंदू धर्म में सभी तिथियों को महत्वपूर्ण माना गया है। वहीं अमावस्या तिथि का भी विशेष महत्व बताया गया है। सोमवार के दिन पड़ने के कारण इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने और पूजा-पाठ करने से व्यक्ति के सुख-समृद्धि और सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। सोमवती अमावस्या के दिन स्नान-दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि कब पड़ रही है। पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजा का महत्व क्या है।

सोमवती अमावस्या कब है?

वैदिक पंचांग के हिसाब से इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि पौष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को पड़ने वाली है। इस साल यह तिथि 30 दिसंबर को पड़ने वाली है। आपको बता दें, 30 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 01 मिनट से लेकर इस तिथि का समापन सुबह 03 बजकर 56 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि के आधार पर इस साल सोमवती अमावस्या का व्रत 30 दिसंबर को मनाया जाएगा।

सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त कब है?

सोमवती अमावस्या के दिन स्नान ब्रह्म मुहूर्त में करना शुभ माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 5.24 से 6.19 बजे तक रहेगा। इस दौरान स्नान करना उत्तम फलदायी माना गया है।

भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त - दोपहर 12 बजकर 03 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक है। इस दौरान अभिजीत मुहूर्त में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति को अक्षत फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सुखी दापत्य जीवन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का महत्व

सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो सकती हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि हो सकती है और जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो जाती हैं। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को मनचाहे वर की कामना है, तो वह भी इच्छा पूरी हो सकती है।



सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाएं?

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

पंचांग के हिसाब से कुल 12 अमावस्या तिथि पड़ती हैं। इस दौरान विशेष रूप से पितरों की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन स्नान-दान करने भी शुभ माना जाता है और व्यक्ति को पितृदोष से भी मुक्ति मिल जाती है। आपको बता दें, अमावस्या तिथि के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही

जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में सोमवती अमावस्या सोमवार के दिन पड़ रहा है, जिसके कारण इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने की मान्यता है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं दूध

शास्त्रों में पीपल के पेड़ को मोक्षदायिनी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि पीपल के पेड़ में दूध चढ़ाने से व्यक्ति को सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अमावस्या के दिन दूध चढ़ाने से व्यक्ति को मनचाहे फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास होता है और इस दिन पीपल के पेड़ में दूध अर्पित करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है और जीवन में आने वाली

सभी समस्याएं भी दूर हो जाती हैं।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं तिल

पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से व्यक्ति को शनिदोष से छुटकारा मिल जाता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से सभी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही व्यक्ति को बैकुंठ की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, तिल का संबंध पितरों से माना जाता है। इसलिए, पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से पितृ दोष दूर होता है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं गुड़

पीपल के पेड़ में गुड़ चढ़ाना का भी विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपको बार-बार किसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो इससे अशुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार, शनिवार के दिन दूध चढ़ाने से शनि दोष से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। शनि दोष के कारण व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गुड़ चढ़ाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को अपने आशीर्वाद देते हैं। साथ ही मनचाहे परिणाम भी मिलते हैं।



पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं, लाल चंदन ही क्यों लगाते हैं?

पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने के लाभ

- पौष माह के दौरान भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से सूर्य की कुंडली में स्थिति मजबूत होती है। सूर्य ग्रह के मजबूत होने से भाग्य का साथ मिलने लगता है। सौभाग्य में वृद्धि होती है और सफलता प्राप्ति में आ रही बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। तरक्की के मार्ग खुलने लगते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से मंगल ग्रह की शुभता भी मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि लाल रंग मंगल का प्रतीक माना जाता है। मंगल ग्रह के शुभ प्रभाव से मांगलिक कार्य, विशेष रूप से विवाह में आ रही बाधाएं या फिर वैवाहिक जीवन के दुख दूर होते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाना इसलिए भी शुभ माना जाता है क्योंकि इससे उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता होती है। असल में लाल रंग मां लक्ष्मी का प्रिय है। मां लक्ष्मी का वास जहां होता है वहीं श्री हरि विराजते हैं। लाल चंदन विष्णु जी को लगाने से मां लक्ष्मी का वास बना रहता है।
- पौष माह में लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ भी प्रसन्न होते हैं और उनका क्रोध शांत हो जाता है। भगवान विष्णु को पितरों का देवता माना गया है। ऐसे में पौष माह के दौरान लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ दोष से भी राहत मिलती है और शुभ कार्य सफल होते हैं।

पौष माह भगवान विष्णु को समर्पित है। पौष माह में भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। ऐसा माना जाता है कि पौष माह में श्री हरि नारायण की आराधना करने से व्यक्ति के दुख दूर हो जाते हैं और भगवान विष्णु का सान्निध्य प्राप्त होता है। वहीं, शास्त्रों में यह भी वर्णित है कि पौष माह के दौरान भगवान विष्णु का श्रृंगार करना भी शुभ होता है। हालांकि, यह भी उल्लेखित है कि पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं बल्कि लाल चंदन लगाना चाहिए। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि क्यों पौष माह में लगाया जाता है श्री हरि विष्णु को लाल चंदन।



सोमवती अमावस्या के दिन क्या दान करना चाहिए?

पौष माह की अमावस्या यानी कि साल की आखिरी अमावस्या 30 दिसंबर, दिन सोमवार को पड़ने जा रही है। जहां एक ओर सोमवती अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान का विशेष स्थान मौजूद है तो वहीं, दूसरी ओर इस दिन दान करना भी बहुत हितकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सोमवती अमावस्या के दिन कौन सी चीजों का दान करना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले लाभ।

वस्त्रों का सोमवती अमावस्या के दिन दान करने से राहु मजबूत होता है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें गुड़ का दान



सोमवती अमावस्या के दिन गुड़ का दान करने से पारिवारिक क्लेश दूर होता है। अगर परिवार के सदस्यों के बीच किसी भी प्रकार का मतभेद है तो वह नष्ट हो जाता है और आपसी तालमेल, प्यार और विश्वास बढ़ता है। पारिवारिक शांति स्थापित होती है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें जूते का दान

सोमवती अमावस्या के दिन जूतों का दान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जूतों का दान करने से घर में पसरी हुई धन की कमी दूर हो जाती है। इसके अलावा, घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा भी नष्ट होने लगती है और सकारात्मकता बढ़ती है।



सोमवती अमावस्या के दिन करें तिल का दान



तिल का संबंध शनि देव से माना जाता है। इसके अलावा, तिल का नाता पितरों से भी है। ऐसे में सोमवती अमावस्या के दिन तिल का दान करने से न सिर्फ शनि देव प्रसन्न होते हैं बल्कि पितरों का आशीर्वाद भी मिलता है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें वस्त्र का दान

सोमवती अमावस्या के दिन काले वस्त्रों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। काले वस्त्रों का दान करने से घर या घर के सदस्यों को लगी बुरी नजर उतर जाती है। इसके अलावा, काले

माघ मास को बहुत ही पवित्र माह माना जाता है। इस माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अतः माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है। आओ जानते हैं कि माघमास में कौनसे 10 पुण्य के काम किए जाते हैं।

माघ मास में किए जाते हैं कौन से 10 पुण्य के काम

- माघ स्नान इस मास में शीतल जल के भीतर डुबकी लगाने वाले मनुष्य पापमुक्त हो जाते हैं। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा,

कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए।

- दान माघ माह में कंबल, वस्त्र, तिल, अन्न, घी, नमक, गुड़, पांच तरह के अनाज, गाय आदि का दान करने से हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है।

- तिल का महत्व माघ कृष्ण द्वादशी को यम ने तिलों का निर्माण किया और दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया था। अतएव मनुष्यों को उस दिन उपवास रखकर तिलों का दान कर तिलों को ही खाना चाहिए।

- व्रत माघ महीने की शुक्ल पंचमी से वसंत ऋतु का आरंभ होता है और तिल चतुर्थी, रथसप्तमी, भीष्माष्टमी आदि व्रत प्रारंभ होते हैं। माघ शुक्ल चतुर्थी को उमा चतुर्थी कहा जाता है। शुक्ल सप्तमी को व्रत का अनुष्ठान होता है। उक्त दिनों में व्रत रखने से सभी तरह के संकट दूर होकर पुण्य की प्राप्ति होती रहे।

- विष्णु पूजा माघ माह में श्रीहरि भगवान विष्णु की माता लक्ष्मी के साथ पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख, शांति, धन और समृद्धि बनी रहती है। उपरोक्त बताए गए व्रतों में भगवान विष्णु की पूजा होती है।

- कल्पवास माघ माह में कल्पवास का बहुत महत्व है। नदी के तट पर साधुओं के साथ कृटिया बनाकर कुछ विशेष दिनों तक रहने को कल्पवास कहते हैं। इससे सांसारिक और आध्यात्मिक उन्नति होती है।

- सत्संग इस माह में संतों के साथ सत्संग करने और धर्म, कर्म की बातों को ग्रहण करने के बहुत महत्व होता है। इससे मन निर्मल होकर पुण्य की प्राप्ति होती है। सत्संग से धर्म का ज्ञान प्राप्त होता है। धर्म के ज्ञान से जीवन की बाधाओं से मुकाबला करने का समाधान मिलता है।

- स्वास्थ्य स्वास्थ्य के दो अर्थ हैं। पहला स्वयं का अध्ययन करना और दूसरा धर्मग्रंथों का अध्ययन करना। आप स्वयं के ज्ञान, कर्म और व्यवहार की समीक्षा करते हुए पढ़ें, वह सब कुछ जिससे आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता हो साथ ही आपको इससे खुशी भी मिलती हो।
- दीपदान माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है।
- तर्पण माघ माह में अमावस्या और पूर्णिमा के दिन पितरों के

माघ माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अतः माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है।

निमित्त तर्पण करना चाहिए क्योंकि इस पवित्र माह में पितरों को मुक्ति मिलती है। यह पुण्य का सबसे बड़ा कार्य है।





युगयुगीन स्वामी
अमर ज्योति जी महाराज



श्री श्री 1008 स्वामी कृष्णानन्द परमहंस
बाबा कालीदास जी महाराज



श्री श्री 1008 दीपक बाबा जी
महाराज



महामण्डलेश्वर बाबा कर्ण पुरी जी
महाराज

स्वयं पधार कर आप सभी को आर्शीवाद प्रदान करेंगे

इस कार्यक्रम में आने वाले हमारे मुख्य अतिथि

माननीय डा. महेश शर्मा जी-सांसद गौतमबुद्ध नगर एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री-भारत सरकार

इस कार्यक्रम में आने वाले हमारे अति विशिष्ट अतिथि

माननीय श्री पंकज सिंह, विधायक, नौएडा
डॉ. अरुणवीर सिंह, I.A.S., मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना प्राधिकरण एवं C.E.O. (N.I.A.L.)
श्री अनुपम शर्मा, (I.P.S.) DIG Jail, Himachal Police
श्रीमती सी.के. रंगा, Dy. Director Bureau of Civil Aviation security.
श्री आर. सी. यादव (H.J.S.) Special Judge, Etawah
श्री कपिल यादव (H.J.S.) Judicial Magistrate, Pratapgarh
कर्नल एस. के. पाठक
श्री संजीव सैकिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, डीफू(आसाम)
श्री राकेश यादव पुलिस अधीक्षक उ.प्र. पुलिस
श्री विकास धीमान पुलिस उपाधीक्षक कांगड़ा हि.प्र.
श्री अखिलेश दुबे, (DIG)
श्री देवदत्त शर्मा (IAS) Rtd.
श्री ए.के. सिंह, (S.E. UPPCL) Rtd.
श्री संजय बाली, सांसद प्रतिनिधि, गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.
श्री राजीव त्यागी (एडवोकेट) क्षेत्रीय संयोजक विधि विभाग, भा.ज.पा. (पश्चिमी उत्तर प्रदेश)
श्रीमती रीना गुप्ता अध्यक्ष सुमित्रा ग्रुप ऑफ हास्पिटल्स एवं इन्सटीट्यूशंस
डॉ. वी.के. गुप्ता निदेशक, सुमित्रा ग्रुप ऑफ हास्पिटल्स एवं इन्सटीट्यूशंस
डॉ. अंकित गुप्ता निदेशक, सुमित्रा ग्रुप ऑफ हास्पिटल्स एवं इन्सटीट्यूशंस
डॉ. अर्पित गुप्ता, निदेशक, सुमित्रा ग्रुप ऑफ हास्पिटल्स एवं इन्सटीट्यूशंस
श्री भारत कौशिक, निदेशक, धनवंतरी ग्रुप आफ इन्सटीट्यूशंस एवं इंडस्ट्रीयल डिस्ट्रीब्यूटर्स इण्डिया प्रा. लि.
डॉ. नवीन कौशिक, चेयरमैन कौशिक डायग्नोसिस प्रा. लि.
श्री राजकुमार चौधरी, अध्यक्ष नौएडा एम्पलॉइज एसोसिएशन, नौएडा
श्री राजेश रंगा
श्री रामवनजी सुतार
श्री अनिल रामवनजी सुतार
श्रीमती स्वाति अनिल सुतार
श्री विजय देव शर्मा, D.I.G Rtd.
श्री अजय जानी, अहमदाबाद
श्री रमेश रावल गिर फॉरेस्ट, गुजरात
श्री अमरजीत सिंह, सी.एम.डी., रामा इवेन्ट्स ग्रुप ऑफ कम्पनीज
श्री एन.पी. सिंह, अध्यक्ष, डी.डी.आर. डब्ल्यू.ए.
श्री नवनीत गुप्ता, चेयरमैन, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मण्डल
श्री योगेन्द्र शर्मा, अध्यक्ष फोनरवा
श्री त्रिलोक शर्मा, संरक्षक फोनरवा

विनीत एवं सम्पर्क सूत्र :-	आचार्य रोहित (कार्यकारी पीठाधीश्वर)	9411429999	ज्योति कुमार आर्य (व्यवस्थापक)	9871691354
	श्रीमती शालू राणा (मैनेजिंग ट्रस्टी)	9873661942	एडवोकेट हर्ष राणा (मैनेजिंग ट्रस्टी)	9899991942

निवेदकः—

कनिका राणा, नेहा राणा, हर्षिता राणा, हर्षित राणा, केशव राणा, डैनी शिवाय राणा, दानी राणा, मालती आर्य, जय कुमार आर्य, तृप्ति आर्य, उज्ज्वल आर्य, रीता आर्य, गौरव आर्य, राजनन्दनी आर्य राजीव कुमार, जयन्ती देवी, विकास कुमार, जूही कुमार, ज्ञानेश्वर प्रसाद, प्रवीण शुक्ला, शशी शुक्ला, पूनम गिल, रीटा सैकिया, सुमंत श्रीवास्तव, गीता श्रीवास्तव, डॉ. गरिमा श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, डॉ. रिद्धिमा श्रीवास्तव, डॉ. उत्कर्ष आनंद, पुनियन शर्मा, नवीन शर्मा, अशोक शर्मा, निशा शर्मा, विक्रम पठानिया, नीलम पठानिया, पुरुषोत्तम, (DP) सुदेश, अमित, आशीष गुलेरिया, स्नेहलता-डॉ. वी.के. त्यागी, नीता-डॉ. नरेन्द्र त्यागी, विमला-ई.राम अवतार त्यागी, पूजा, विवेक सूद, रणजीत राणा, मुकेश गुप्ता, मनोज वत्स, नरेश सुपहिया, मोनिका-अरुण कालिया, रीटा, विरेन्द्र, विशाल, जितेन्द्र, कल्पना डडवाल, मुकेश T.O., भारती, साक्षी-सक्षम कुलश्रेष्ठ, बाबूराम शर्मा डॉ. राकेश मिन्हास, सतीश तनेजा, मीना, रमन शर्मा, मुकेश पंवार (SI) प्रोमिला, जगदेव, शिवानी मिन्हास, अनुराग सारस्वत, सुरेश शर्मा (हि.प्र.), गोविंद बिष्ट, अनीता शर्मा, के.के. मलहोत्रा, रवि मलहोत्रा, विपिन मलहोत्रा, मनोज कटारिया, जसबीर, सुदर्शन राणा, अंकिता, रोहित राणा, शुभम, ACP स्वतन्त्र कुमार, हरीश धींगरा, नन्दकिशोर सुन्दियाल, डॉ. मोनिका अग्रवाल, डॉ. अभिषेक अग्रवाल, एस.एस. भारद्वाज CEO, गुरुप्रीत सिंह, संजीव दीक्षित, अतुल पुरी, आर.के. शिशोदिया DSP, राजन, गीता, विपिन चौधरी, अतुल शर्मा, राजन, विमला, राकेश, शकुंतला, सुमित, पूजा वर्मा, पवन सुपहिया, पूजा राणा, मनीष तनेजा, विनोद तनेजा, आदित्य भारद्वाज, शिवानी भारद्वाज, एडवोकेट सहज, एडवोकेट सूबी, समीर सुतार, सोनाली, प्रभाकर, देवराज, अंजना मेहता, संजीव गुप्ता सी.ए., कमलकिशोर सी.ए., पिंकी सुन्दियाल सी.ए., विकास सुन्दियाल सी.ए., रवि, बीरेन नेगी, दीपक बंसल, पूजा, सार्थक ठाकुर, रामबोहर, संसारो देवी, शेखर राणा, प्रवीन, शांति अम्मा, सत्ती सू.मे. जोगिन्द्र, वंदना, सुशील, अनीजमा भूरिया, मुन्ना, मुन्नी, पवन धीमान, सतीश शर्मा (DP), सुरेश शर्मा (DP), मनु धीर, विजय भण्डारी, चौधरी के. नवाब, ले. देवेन्द्र चौहान,

January						
S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

February						
S	M	T	W	T	F	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	

March						
S	M	T	W	T	F	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

April						
S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

May						
S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

June						
S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

July						
S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

August						
S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

September						
S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

October						
S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

November						
S	M	T	W	T	F	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

December						
S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

2025

* आरती *

ॐ जय कलाधारी हरे, स्वामी जय पौणाहारी हरे।
भक्त जनों की नैया, भव से पार करे ॥ ॐ जय...
बालक उग्र सुहानी, नाम बालक नाथा-बाबा नाम बालक नाथा।
अमर हुए शिवजी से, सुनकर अमर गाथा ॥ ॐ जय...
शीश पे बाल सुनैहरी, गल रूद्राक्षी माला-बाबा गल रूद्राक्षी माला।
हाथ में झोली-चिमटा, आसन मृग छाला ॥ ॐ जय...
सुंदर शैली, सिंगी, वैरागन सोहे - बाबा वैरागन सोहे।
गऊ पालक रखवाला, भक्तां दा मन मोहे ॥ ॐ जय...
अंग भभूत रमाई, मूर्ति प्रभु रंगी - बाबा मूर्ति प्रभु रंगी।
भय भंजन दुःख नाशक, भरथरी के संगी ॥ ॐ जय...
रोट चढ़त रविवार को, फल मिश्री मेवा - बाबा फल मिश्री मेवा।
धूप, दीप, कुदू से, आनंद सिद्ध देवा ॥ ॐ जय...
भक्तन हित अवतार लियो, बाबा देख के कलु-काला।
दुष्ट दमन, शत्रुघन, भक्तन प्रतिपाला ॥ ॐ जय...
तन-मन-धन सब है तेरा - बाबा सब कुछ है तेरा।
तेरा तुझको अर्पण, यही भाव हो मेरा ॥ ॐ जय...
बाबा जी की आरती जो कोई नित गावे - बाबा प्रेम सहित गावे।
कहते हैं सेवक तेरे, सुख सन्मति पावे ॥ ॐ जय...
ॐ जय कलाधारी हरे, स्वामी जय पौणाहारी हरे।
भक्त जनों की नैया भव से पार करे ॥ ॐ जय...

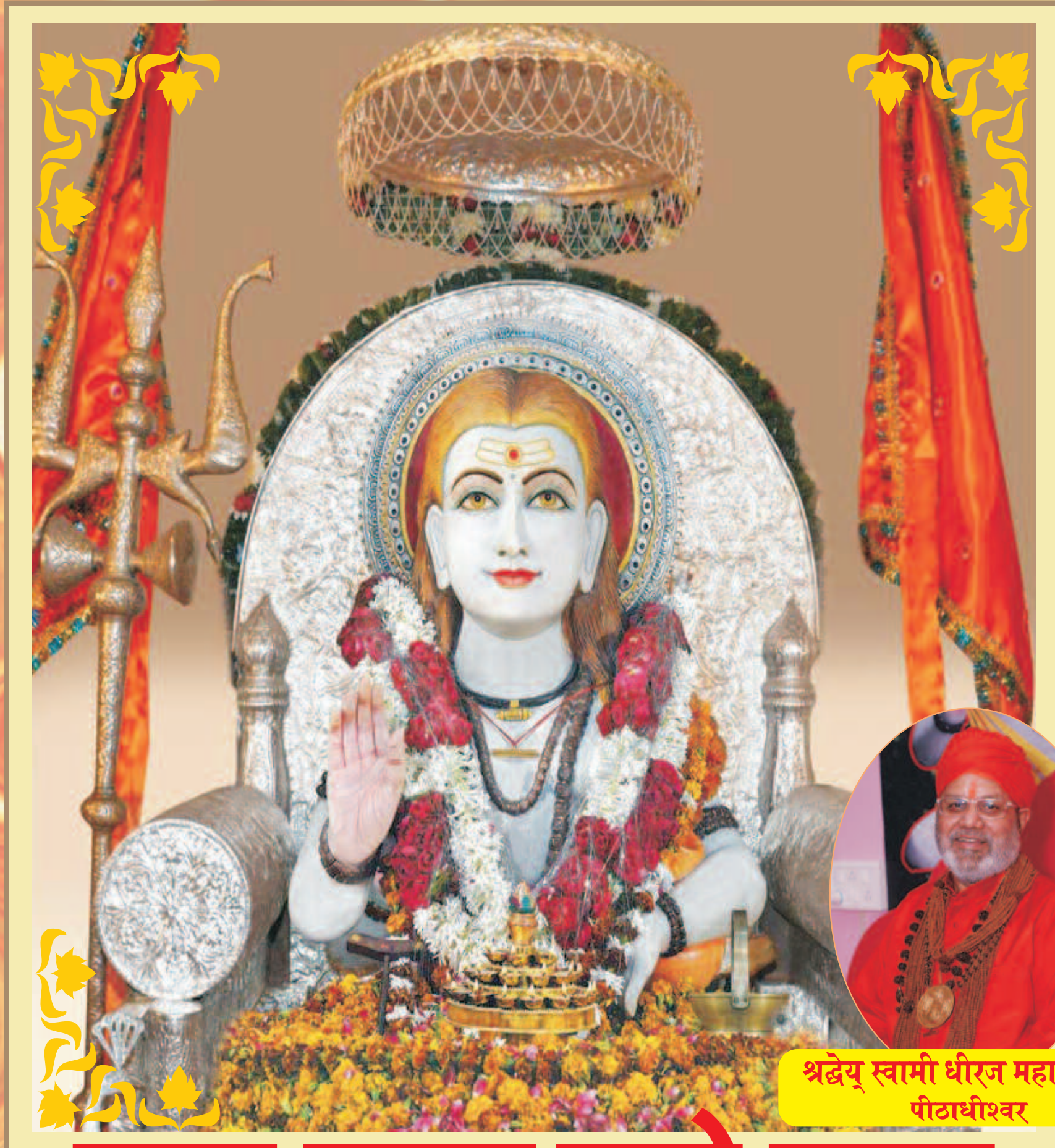
महीना	पूर्णिमा	अमावस्या	संक्रांति	ज्येष्ठ रविवार	एकादशी	एकादशी	सिद्ध पीठ में मनाये जाने वाले त्यौहार
जनवरी	13 सोमवार	29 बुधवार	14 मंगलवार	19 रविवार	10 शुक्रवार	25 शनिवार	13 लोहडी / 21 स्थापना दिवस / 26 गणतंत्र दिवस /
फरवरी	12 बुधवार	27 गुरुवार	12 बुधवार	16 रविवार	08 शनिवार	24 सोमवार	02 बसंत पंचमी / 25 महा शिवरात्रि
मार्च	14 शुक्रवार	29 शनिवार	14 शुक्रवार	16 रविवार	10 सोमवार	25 मंगलवार	14 होली / 30 चैत्र नवरात्र प्रारंभ /
अप्रैल	12 शनिवार	27 रविवार	14 सोमवार	20 रविवार	08 मंगलवार	24 गुरुवार	06 राम नवमी / 13-14 बैसाखी / 30 अक्षय तृतीय
मई	12 सोमवार	27 मंगलवार	15 गुरुवार	18 रविवार	08 गुरुवार	23 शुक्रवार	
जून	11 बुधवार	25 बुधवार	15 रविवार	15 रविवार	06 शुक्रवार	21 शनिवार	
जुलाई	10 गुरुवार	24 गुरुवार	16 बुधवार	20 रविवार	06 रविवार	21 सोमवार	10 गुरु पूर्णिमा
अगस्त	09 शनिवार	23 शनिवार	17 रविवार	17 रविवार	05 मंगलवार	19 मंगलवार	07 गणेश चतुर्थी / 09 रक्षा बंधन एव गोगा जाहरवीर जी का छत्र स्थापना / 15 स्वतंत्रता दिवस / 15-16 कृष्ण जन्माष्टमी / 16-17 गोगा नोवमी /
सितम्बर	07 रविवार	21 रविवार	17 बुधवार	21 रविवार	03 बुधवार	17 बुधवार	22 शरद नवरात्र प्रारंभ /
अक्टूबर	07 मंगलवार	21 मंगलवार	17 शुक्रवार	19 रविवार	03 शुक्रवार	17 शुक्रवार	01 महानवमी / 02 दशहरा / 10 करवा चौथ / 18 धनतेरस / 21 दीपावली / 22 गोवर्धन पूजा / 23 भाई दूज / 28 छठ पूजा
नवम्बर	05 बुधवार	20 गुरुवार	16 रविवार	16 रविवार	02 रविवार	15 शनिवार	
दिसम्बर	04 गुरुवार	19 शुक्रवार	16 मंगलवार	21 रविवार	01/15/सोमवार	30 मंगलवार	31 नया साल बाबे नाल

बाबा बालकनाथ सिद्ध पीठ फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.)

(A Regd. Trust For Upliftment of Spiritual & Social Welfare)

सिद्ध पीठ : सी-56 ए/7, सैक्टर-62, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301, भारत

सिद्ध सेवा आश्रम: Old Age Home-03 Pocket 7A Sector-18, Yamuna Expressway (YEIDA), G.B. Nagar (U.P)-203201



श्रद्धेय स्वामी धीरज महाराज जी
पीठाधीश्वर

नया साल बाबे नाल

मंगलवार 31 दिसम्बर, 2024

विदेशी साल स्वदेशी तरीके से मनायें

You Tube

तथा यूट्यूब व फेसबुक लाइव YouTube Link

द्वारा सीधा प्रसारण देश व विदेशों में किया जायेगा

<https://youtu.be/NEJ7n9caeA>

Beneficiary Name : Baba Balak Nath Sidh Peeth Foundation
Name of Bank : Union Bank of India
IFSC Code : UBIN0917966
Account No. : 110610011002457



Donation Link

ट्रस्ट के पास 80G है जिसका लाभ लेने के लिए आप कृपया अपना PAN No. और आधार कार्ड की कॉपी जरूर दें, ताकि आपको आयकर की धारा 80G के तहत आयकर में छूट मिल सके।

9871648648, 9871691354, 0120-3111748, 49, 50, 51

www.facebook.com/groups/bababalaknathsidhpeethnoida/ @jyotishrohit
swamidheerajmaharaj@bababalaknathsidhpeethnoida.com @dheerajmaharaj
acharyarohit@bababalaknathsidhpeethnoida.com
तपोस्थली : बाबा बालक नाथ सिद्ध सेवा आश्रम, ग्राम : लाहड़ छलैना, डाक. चौकी,
तह.-धीरा, जिला-कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश-176084